मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 189, मुंबई, शनिवार, 3 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में फिर उठ सकता है
राजनीतिक तूफान

फडणवीस से अशोक चव्हाण की सीक्रेट मीटिंग

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। सुप्रीम संकट में फंसी अपनी सरकार को मजबूत करने के लिए एकनाथ शिंदे महाविकास अघाड़ी को बड़ा झटका दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक अक्टूबर में होने जा रहे शिंदे कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस के दो बड़े नेता मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इनमें एक पूर्व मुख्यमंत्री का नाम भी शामिल है। सियासी गलियारों में इन चर्चाओं को और ज्यादा मजबूती तब मिली, जब अशोक चव्हाण और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के बीच गुरुवार को 20-25 मिनट एक सीक्रेट मीटिंग हुई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

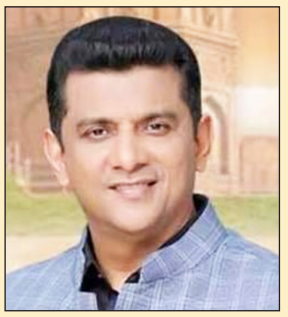

अशोक चव्हाण से पहले असलम शेख फडणवीस से मिल आए

बता दें कि कुछ दिनों पहले महा विकास आघाड़ी सरकार में मंत्री रहे कांग्रेसी नेता असलम शेख भी बीजेपी नेता मोहित कंबोज के साथ देवेंद्र फडणवीस से मिलने उनके सागर बंगले गए थे। लेकिन इसके बाद यह बात निकल कर आई कि बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने उन पर मालाड के मालवाणी इलाके में मड में अवैध फिल्म स्टूडियो बनाने का आरोप लगाया है, वे इस संबंध में सफाई देने गए थे।

इस बीच अशोक चव्हाण की इस मुलाकात को लेकर सफाई भी सामने आ गई है। उन्होंने मुलाकात से तो इनकार नहीं किया है लेकिन यह कहा है कि उनके और फडणवीस के बीच कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता को दी
जमानत

हाईकोर्ट में केस चलने तक पासपोर्ट सरेंडर करना होगा, आज होगी रिहाई

तीस्ता पर क्या है आरोप?

2002 में गुजरात दंगों के बाद फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकार के खिलाफ साजिश रची गई।

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। गुजरात दंगों से जुड़े साजिश मामले में गिरफ्तार एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। शुक्रवार को चीफ जस्टिस यूयू ललित की बेंच में 1 घंटे 10 मिनट से ज्यादा देर तक सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ने कहा- तीस्ता गिरफ्तारी के बाद से या तो रिमांड या कस्टडी में रहीं। उन्हें अब जेल में नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने आगे कहा- तीस्ता का मामला जब तक हाईकोर्ट के पास है, तब तक उन्हें अपना पासपोर्ट सरेंडर करना होगा। तीस्ता को शनिवार यानी आज कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जेल से बाहर आ सकेंगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस से नाराज 10 विधायक टूटने की अटकलें, इनमें कई शिंदे सरकार में मंत्री बन सकते हैं

मराठी सियासत के लिए महत्वपूर्ण सितंबर महीना

- शिंदे गुट के 16 विधायकों की सदस्यता रद्द करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। संवैधानिक बेंच में इसकी सुनवाई होनी है। चुनाव आयोग से शिवसेना सिंबल पर भी फैसला आना बाकी है।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4-5 सितंबर को महाराष्ट्र दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मनपा चुनाव के लिए राज ठाकरे और भाजपा के बीच गठबंधन का ऐलान हो सकता है।

कांग्रेस नेताओं की शिंदे-फडणवीस को मिलती रही है मदद

पिछले कई ऐसे मौके आए हैं जिनसे यह साफ होता है कि कांग्रेस के कुछ नेता बीजेपी और शिंदे गुट को सपोर्ट करते रहे हैं। राज्यसभा और विधान परिषद के चुनावों में क्रॉस वोटिंग की बातें सामने आईं। इस बारे में छह कांग्रेसी नेताओं द्वारा पार्टी लाइन से हट कर वोट किया गया, जिनसे बीजेपी उम्मीदवार की जीत हुई। इस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग उठाई गई। लेकिन कांग्रेस ने शिवेसना में हुई शिंदे गुट की बगावत को देखते हुए अपनी पार्टी में संभावित विस्फोट की आशंकाओं के डर से इसे नजरअंदाज किया। फ्लोर टेस्ट के दौरान भी अशोक चव्हाण सदन में लेट पहुंचे और वोटिंग में भाग नहीं ले सके। बहुमत जीतने के बाद फडणवीस ने उन्हें गैरहाजिर रहने के लिए धन्यवाद भी दिया था।

'युवाओं को कबतक जुमले बांटेगी सरकार'

बेरोजगारी पर प्रियंका ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर बेरोजगारी की वजह से बढ़ रही आत्महत्या को लेकर हालिया रिपोर्ट पर निशाना साधा है। उन्होंने सरकार पर 'जुमले' देने और युवाओं की हताशा का कोई वास्तविक जवाब नहीं देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस 'भयानक बेरोजगारी' का न तो कोई इलाज है और न ही कोई जवाब। सरकार कब तक जुमले बांटेगी? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

यातना की रिपोर्ट

चीन में मानवाधिकार उल्लंघन पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया का न केवल ध्यान खींचा है, बल्कि एक इशारा किया है कि वहां आंतरिक रूप से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। चीन के शिनजियांग में अल्पसंख्यक मुसलमानों से जुड़ी यह रिपोर्ट सोचने को मजबूर करती है। हालांकि, इस आधिकारिक रिपोर्ट को पहले ही प्रकाश में आ जाना चाहिए था, पर संदेह तब होता है, जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह रिपोर्ट जारी करती हैं। मतलब, उन्हें पता था कि जब रिपोर्ट उजागर होगी, तो चीन की नाराजगी भी झेलनी पड़ेगी। अच्छा तो तब होता, जब मिशेल पहले ही इस रिपोर्ट को जारी करतीं और आधिकारिक रूप से उइगर मुस्लिमों तक न्याय की रोशनी पहुंचाने में मदद करतीं। रिपोर्ट का देरी से आना और मिशेल के कार्यकाल के आखिरी दिन आना अपने आप में संकेत है कि संयुक्त राष्ट्र पर चीन का कितना दबदबा है। दुनिया के चंद देशों का ऐसा दबदबा किसी भी नीति या नियम-कायदे के विरुद्ध है। चीन जैसे अनेक देश हैं, जो केवल अपने स्वार्थ से संचालित हो रहे हैं और जिनकी कथनी-करनी में बहुत अंतर है। वैसे यह गौर करने की बात है कि उइगर मुस्लिमों पर हुए अत्याचार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट में न्यायोचित ठहराने की प्रछन्न कोशिश भी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने आतंकवाद विरोधी रणनीति के नाम पर अल्पसंख्यक मुसलमानों के मानवाधिकारों का गंभीर रूप से उल्लंघन किया है। चीन जैसे अनुदार नीतियों वाले देश में कथित आतंकवाद या उसकी कथित आशंका का हवाला देते हुए भी यह संतोष की बात है कि इस अत्याचार को मानवता के खिलाफ अपराध बताया गया है। 48 पृष्ठों की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में बलात्कार, जबरन नसबंदी और लापता होने की घटनाएं खूब हो रही हैं। ऐसा सरकारी नीति के तहत किया जा रहा है। विश्व में कई देश हैं, जहां घोषित सरकारी नीतियों के तहत किसी न किसी मानव समूह की धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी पहचान को मिटाया जा रहा है। जहां अभिव्यक्ति की आजादी का कोई मतलब नहीं है। जहां अल्पसंख्यकों की आबादी को जबरन काबू किया जा रहा है। शिक्षण-प्रशिक्षण के नाम पर जहां महिलाओं पर कहर बरपाया जा रहा है। ज्यादा खतरनाक बात यह है कि चीन की पुलिस सुधारने के नाम पर गैर-कानूनी ढंग से भी लोगों, खासकर महिलाओं को यातना दे रही है। चीन ने वर्ष 2017 में ऐसे प्रशिक्षण शिविरों की बात स्वीकार की थी, लेकिन यह नहीं बताया था कि वहां कितने लोग रखे गए हैं? एक अनुमान के अनुसार, दस लाख के करीब उइगर मुस्लिमों को शिविरों में रखकर उनकी आबादी को कम किया जा रहा है। जाहिर है, चीन ने रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है और इसके लिए चीन विरोधी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया है। बहुत संभव है कि वह इस रिपोर्ट पर आगे किसी कार्रवाई को रोक दे। आशंका यह भी है कि चीन उइगर आबादी को पहले ही काफी नियंत्रित कर चुका है। उनके इलाकों में वर्ष 2017 से 2019 के बीच जन्म दर 48.7 प्रतिशत गिर चुकी है। बहुत संभव है कि चीन ने पूरी स्थिति को नियंत्रित करने के बाद ही संयुक्त राष्ट्र को यह मानवाधिकार रिपोर्ट बनाने और जारी करने दिया हो। आगे सिवाय चर्चा के शायद ही कुछ हो। दुनिया के विकसित या सुरक्षा परिषद के अन्य स्थायी देश अगर पूरे ईमानदार न हुए, तो विपरीत विचार, संस्कृति, समुदाय को दबाने की गलत परिपाटी कभी बंद नहीं होगी।

डूबते पाकिस्तान को भारत का सहारा

इस समय सवाल मानवता, नैतिकता और नीति शास्त्र का भी है। भारत मानवता के आधार पर पाकिस्तान के लोगों की मदद के लिए तैयार है। पाकिस्तान के भीतर और सत्ता के गलियारों से भारत के साथ व्यापार संबंध बनाने की मांग उठ रही है। मार्च 2021 में पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति ने कहा था कि वह देश के प्राइवेट सैक्टर को भारत से बाघा सीमा के जरिये चीनी और कपास आयात करने की मंजूरी देगा लेकिन इस फैसले का पीएमएनएल और पीपीपी ने विरोध किया था, जो कि अब पाकिस्तान में गठबंधन सरकार में हैं। दोनों देशों में व्यापार के चलते फायदा हो रहा था और पंजाब के सीमांत क्षेत्रों के किसानों को और पंजाब के व्यापारियों को काफी लाभ हो रहा था। दोनों देशों के संबंध अगर मधुर होते हैं तो फिर बातचीत की सम्भावनाएं भी बन सकती हैं। भारत कभी नहीं चाहेगा कि उसके पड़ोस में अस्थिरता पैदा हो। पाकिस्तान आतंकवाद की नीति छोड़े तो भारत उसकी मदद के लिए तैयार है। भारत हमेशा मानवता की रक्षा के लिए आगे बढ़कर काम करता ही है।

भारत से बात-बात पर युद्ध लड़ने की गीदड़ भभकी देने वाला पाकिस्तान आर्थिक संकट में तो डूबा ही हुआ था लेकिन अब वह बाढ़ में भी डूब चुका है। बाढ़ ने ब्लूचिस्तान, खैबर, पख्तूनवा और सिंध प्रांत में कहर बरपाया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। एक तरफ उन्हें तहरीके तालिबान के हमलों से जूझना पड़ रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान कंगाली के दौर में है और तीसरा बाढ़ की विभीषका ने अब तक 1200 से ज्यादा लोगों की जान ले ली और लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं।

पाकिस्तान सरकार बाढ़ में फंसे अपने लोगों की जान बचाने में विफल रही है। बाढ़ से उपजे हालात को सम्भाल पाने में पाकिस्तान सरकार ने एक तरह से हाथ खड़े कर दिए हैं। बाढ़ प्रभावित लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। महंगाई का यह आलम है कि एक किलो टमाटर की कीमत 500 रुपए तक पहुंच गई है। दूध और सब्जियों के दाम तीन गुना हो चुके हैं। बाढ़ से 33 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं जो देश की कुल आबादी का लगभग 14 प्रतिशत है। बारिश और बाढ़ से अब तक 44 हजार करोड़ से भी ज्यादा का नुक्सान हो चुका है और इस बाढ़ से नुक्सान की तुलना 2010-11 की बाढ़ से की जा सकती है जो रिकार्ड में सबसे ज्यादा खराब है। सरकार की मदद नहीं मिलने से निराश लोग अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं। पाकिस्तान की सरकार पूरी तरह से असहाय नजर आती है। पाकस्तान ने अब अन्तर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद मांगी है। पाकिस्तान ने दुनिया के सामने गुहार लगाते हुए कहा है कि आर्थिक हालत खस्ता हो चुकी है। कई देशों ने पाकिस्तान को सहायता देनी भी शुरू कर दी है। पाकिस्तान की आवाम भारत की तरफ उम्मीदें लगाए बैठी है। पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के साथ व्यापार शुरू करने का ऐलान किया है। शहबाज सरकार के वित्त मंत्री एम इस्माइल ने भारत के साथ व्यापार मार्ग खोलने का ऐलान करते हुए कहा है कि सरकार भारत से सब्जियों और अन्य खाने की चीजों का आयात करने पर विचार कर रही है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के खत्म करने के बाद भारत के साथ व्यापार बंद कर दिया था। लेकिन अब उसे मजबूरी वश अपना फैसला बदलने को मजबूर होना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर पाकिस्तान में बाढ़ से हुई तबाही को देखकर दुख व्यक्त करते हुए कहा है, 'हम पीड़ितों, घायलों और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित सभी लोगों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद करते हैं।' अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य देशों ने पाकिस्तान की मदद करनी शुरू कर दी है। ऐसी स्थिति में भारत की क्या भूमिका होनी चाहिए, इसे लेकर विशेषज्ञ गहन चिंतन मंथन कर रहे हैं।

भारत ने अपने पड़ोसी देशों की हर संकट की घड़ी में मदद की है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन होने के बावजूद भारत ने मानवीय आधार पर अनाज, दवाइयां और जरूरत का सामान दिया है। हाल ही में आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की भी भारत ने काफी मदद की है। मोदी सरकार ने 'पड़ोस प्रथम' नीति अपनाते हुए हमेशा नेपाल, म्यांमार, भूटान और बंगलादेश की हमेशा मदद की है। भारत एशिया का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है। एक राय यह है कि भारत का यह नैतिक और मानवीय दायित्व है कि वह संकट की घड़ी में पाकिस्तान की हर सम्भव सहायता करे। दूसरा पहलू यह भी है कि भारत-पाक संबंधों के इतिहास को देखते हुए पाकिस्तान सरकार नरेन्द्र मोदी सरकार से सीधे मदद लेने के मामले में संकोची हो सकती है। पाकिस्तान ने भारत में इतना खून बहाया है कि उसकी सरकार ने भारत से सीधे मदद की अपील करने का नैतिक साहस और अधिकार खो दिया। पाकिस्तान भारत से मदद की अपील करे तो किस मुंह से। सम्भवतः इसी लिए पाकिस्तान ने भारत से मदद के लिए कोई विशेष अपील नहीं की। उम्मीद की जानी चाहिए कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों की तरह गलतियां नहीं करेंगे और प्रलय की स्थिति में अपने देशवासियों को बचाने के लिए भारत की तरफ हाथ बढ़ाएंगे।

इस समय सवाल मानवता, नैतिकता और नीति शास्त्र का भी है। भारत मानवता के आधार पर पाकिस्तान के लोगों की मदद के लिए तैयार है। पाकिस्तान के भीतर और सत्ता के गलियारों से भारत के साथ व्यापार संबंध बनाने की मांग उठ रही है। मार्च 2021 में पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति ने कहा था कि वह देश के प्राइवेट सैक्टर को भारत से बाघा सीमा के जरिये चीनी और कपास आयात करने की मंजूरी देगा लेकिन इस फैसले का पीएमएनएल और पीपीपी ने विरोध किया था, जो कि अब पाकिस्तान में गठबंधन सरकार में हैं। दोनों देशों में व्यापार के चलते फायदा हो रहा था और पंजाब के सीमांत क्षेत्रों के किसानों को और पंजाब के व्यापारियों को काफी लाभ हो रहा था। दोनों देशों के संबंध अगर मधुर होते हैं तो फिर बातचीत की सम्भावनाएं भी बन सकती हैं। भारत कभी नहीं चाहेगा कि उसके पड़ोस में अस्थिरता पैदा हो। पाकिस्तान आतंकवाद की नीति छोड़े तो भारत उसकी मदद के लिए तैयार है। भारत हमेशा मानवता की रक्षा के लिए आगे बढ़कर काम करता ही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

सत्ताधारी पार्टी पर भड़के एमआईएम पार्टी के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी

...कहां ढाई साल सत्ता में रहने के बावजूद भी मुंब्रा शहर में सिग्नल की व्यवस्था तक नहीं की गई, ट्रैफिक समस्या की बात करते हैं

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में इस समय ट्रैफिक समस्या का मुद्दा बड़ा ही गरमाया हुआ है जिस तरह से मौसम ने रंग बदल कर गर्म मिजाजी पैदा कर दी है उसी तरह से ट्राफिक समस्या ने भी राजनीतिक दलों में गरमाहट पैदा कर दी है आपको बताते चलें पिछले कुछ दिनों पहले सत्ताधारी पार्टी एनसीपी के परिवहन सदस्य व कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान के नेतृत्व में मुंब्रा प्रभाग समिति में मीटिंग का आयोजन किया गया था जिसमें मुंब्रा प्रभाग समिति के कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी सहायक आयुक्त सागर सालुंके आरटीओ विभाग के दिलीप पाटिल मुंब्रा पुलिस स्टेशन के गुनाह के पीआई बाबासाहेब निकम और अन्य समाज सेवकों की उपस्थिति में यह मीटिंग का आयोजन किया गया यह मीटिंग रखने का मकसद यह था कि शहर में हो रही ट्रैफिक पर किस तरह से नियंत्रण किया जाए उस पर विचार विमर्श किया गया परंतु अब तक कोई विकल्प निकलकर सामने नहीं आया कि किस तरह से ट्रैफिक समस्या पर काबू पाया जाए फिलहाल कमेटी गठन करने की बात की जा रही है इस मीटिंग को लेकर एमआईएम पार्टी के ट्रेजर जावेद सिद्दीकी ने सत्ताधारी पार्टी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ढाई साल सत्ता में रहने के बावजूद भी मुंब्रा शहर में सिग्नल तक की व्यवस्था नहीं कर पाए खाली मीटिंग चीटिंग और लूटिंग ही हमारा मुंब्रा शहर वासियों के साथ में की गई है आपको बताते चलें अलमास कॉलोनी परिसर में स्कूल में बच्चों के छूटने के समय ट्राफिक समस्या इतनी उत्पन्न हो जाती है कि रास्ते पर चलना मुहाल हो जाता हैं दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते समय जावेद सिद्दीकी ने

बताया कि वर्ष 2021 में हमने मुंब्रा प्रभाग समिति से सड़क पर हो रही ट्रैफिक की समस्या को देखते हुए सिग्नल लगाने की मांग की थी परंतु हम को मुंब्रा प्रभाग समिति से जवाब यह मिला कि जब तक ट्रैफिक विभाग हमको लिखित रूप से नहीं देता तब तक हम सिग्नल के लिए निधि पारित नहीं कर सकते उसके बाद हम लोगों ने ट्रैफिक विभाग से संपर्क किया ट्रैफिक विभाग द्वारा कहा गया कि हमने कई बार पत्र व्यवहार मुंब्रा प्रभाग समिति से किया है और सिग्नल की मांग की है उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर शब्दों के कड़े बाणों से प्रहार करते हुए कहा सत्ताधारी पार्टी बस चूहे बिल्ली का खेल खेल रही है और जनता को परेशान करने का काम कर रही है 15 सालों से सत्ता पर काबिज रहने के बावजूद भी उन्होंने आज तक ट्रैफिक की समस्या का समाधान तक नहीं कर पाई आरटीओ विभाग में पुलिस बल नहीं बढ़ा पाए ताकि हर एक इलाके में आरटीओ विभाग का पुलिस कर्मचारी तैनात रहता बड़े शर्म की बात है सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा चुनाव आते ही इन लोगों को जनता की परेशानियां नजर आती है पदयात्रा करके जनता की हमदर्दी बटोरने में लगे हैं उधर मुंब्रा प्रभाग समिति के धनंजय गोसावी सोशल मीडिया पर यह बयान देते हैं की मित्तल ग्राउंड मैं सड़क के बिच मे कचरा अवार्ड साहब के कहने से हटाया गया है जबकि सच्चाई यह है पूरे मुंब्रा शहर की जनता जानती है यह कचरा हटाने में एमआईएम की अहम भूमिका रही है उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर तंज करते हुए कहा यह तो समय ही बताएगा की मीटिंग का असर कितना पड़ता है कितनी जल्दी ट्रैफिक की समस्या का समाधान निकलता है यह देखने वाली बात होगी उन्होंने कहा सत्ताधारी पार्टी चुनाव के वक्त ही सड़कों पर नजर आती है बाकी समय आराम से काटते हैं इनके कार्यकर्ता पदाधिकारी अवैध इमारतों को निर्माण कर रहे हैं गटर नालों का पैसा खा रहे हैं गौरतलब बात तो यह है अलमास कॉलोनी परिसर अंबाजी मेडिकल के पास शिमला पार्क के पास ट्राफिक का इस कदर जमावड़ा रहता है की लोगों का सड़कों पर चलना मुहाल हो गया है अगर इस समय किसी को अस्पताल या कहीं पर भी आग लग जाए तो फायर ब्रिगेड का पहुंचना नामुमकिन नजर आता है आपको बताते चलें मुंब्रा शहर में सिग्नल की व्यवस्था कर दी गई होती तो शायद ट्रैफिक की समस्या में कुछ हद तक सुधार होने की संभावना होती सिग्नल तो लगा नहीं लेकिन बढ़ती हुई रिक्शे की तादाद ने सड़कों को चारों तरफ से जाम कर दिया है लोगों का कहना है ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न होने में सबसे अहम भूमिका यह रिक्शा वाले ही निभा रहे हैं जिधर दिल में आया वहां रोक देते हैं जिधर चाहा पैसेंजर बैठा लिया उतार दिया अपने मनमानी कर रहे हैं ट्रैफिक की समस्या से जनता के अंदर आक्रोश पैदा हो गया है जल्द से जल्द ट्रैफिक की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता सड़कों पर उतरती हुई नजर आएगी।

मुंबई में डेढ़ दिन के गणपति का हुआ विसर्जन, एक दिन में बप्पा की 60 हजार मूर्तियां विसर्जित

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 31 अगस्त से शुरू हुए 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दूसरे दिन 60,000 से अधिक गणेश की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। नगर निगम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कई भक्त डेढ़ दिन बाद भगवान को विदा करते हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 60,473 मूर्तियों को बृहस्पतिवार को समुद्र, अन्य जलाशयों और कृत्रिम

तालाबों में विसर्जित किया गया। इसमें 60,122 घरेलू गणेश मूर्तियां शामिल थीं। बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि 24,196 घरेलू मूर्तियों और 172 सामुदायिक गणेश मूर्तियों को (प्राकृतिक जलाशयों को प्रदूषण से बचाने के लिए निर्मित) कृत्रिम तालाबों में विसर्जित किया गया। बृहस्पतिवार को विसर्जन के दौरान कहीं भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। बीएमसी ने इस साल 73 प्राकृतिक जलाशयों (समुद्र के किनारे के हिस्सों सहित) को चिह्नित किया है और विसर्जन के लिए 152 कृत्रिम तालाब बनाए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि मध्य मुंबई के लालबाग इलाके में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम तैनात की गई है, जहां गणेश उत्सव के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में फिर उठ सकता है राजनीतिक तूफान

हालांकि मीटिंग के बाद चव्हाण ने कहा कि उनकी यह मुलाकात राजनीतिक नहीं है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के 7-10 विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। जून में हुए विधान परिषद् चुनावों में कांग्रेस के 7 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी, जबकि जुलाई में फ्लोर टेस्ट के दौरान 10 विधायक गायब रहे थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस के कुल 44 विधायक हैं। इधर, कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण भी कांग्रेस हाईकमान के खिलाफ बागी रुख अपनाए हुए हैं। पृथ्वीराज के भी जल्द ही पार्टी छोड़ने की अटकलें हैं। वे कांग्रेस के जी-23 के सदस्य रहे हैं और पिछले दिनों दिल्ली में गुलाम नबी से मिल चुके हैं। भाजपा नेता और वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने शुक्रवार को बताया कि राज्य मंत्रिमंडल में 23 और मंत्रियों के शपथ लेने की संभावनाएं हैं। सदन में कुल सदस्यों की संख्या का 15 प्रतिशत मंत्री बनाए जा सकते हैं। इस हिसाब से राज्य में कुल 43 मंत्री बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में शिंदे कैबिनेट में सीएम और डिप्टी सीएम समेत 20 मंत्री हैं। महाराष्ट्र में 20 जून को पहली बार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 20 विधायक बागी होकर सूरत और फिर गुवाहाटी चले गए। धीरे-धीरे इन विधायकों की संख्या बढ़ती गई और 39 पर पहुंच गई, जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया। 30 जून को भाजपा के सहयोग से शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वर्तमान में 5 याचिकाओं के साथ शिवसेना का विवाद सुप्रीम कोर्ट में है। 23 अगस्त को कोर्ट ने इसे संवैधानिक बेंच में ट्रांसफर किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता को दी जमानत

25 जून को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने तीस्ता को मुंबई से गिरफ्तार किया था। 30 जुलाई को निचली अदालत ने उनकी जमानत खारिज कर दी थी। 30 अगस्त को गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर तीस्ता की जमानत का विरोध किया था। सरकार ने कहा- तीस्ता के खिलाफ एफआईआर न केवल सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आधारित है, बल्कि सबूतों द्वारा समर्थित है। अब तक की गई जांच में एफआईआर को सही ठहराने के लिए उस सामग्री को रिकॉर्ड में लाया गया है, जो स्पष्ट करती है कि तीस्ता ने राजनीतिक, वित्तीय और अन्य भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिए अन्य आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रची। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने वाली एसआईटी रिपोर्ट के खिलाफ याचिका को 24 जून को खारिज कर दिया था। याचिका जकिया जाफरी ने दाखिल की थी। जकिया जाफरी के पति एहसान जाफरी की इन दंगों में मौत हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जकिया की याचिका में मेरिट नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि मामले में को-पेटिशनर तीस्ता ने जकिया जाफरी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। कोर्ट ने तीस्ता की भूमिका की जांच की बात कही थी। जिसके बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 25 जून को तीस्ता को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया था। 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के S-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। आग लगने से 59 लोग मारे गए थे। ये सभी कारसेवक थे, जो अयोध्या से लौट रहे थे। गोधरा कांड के बाद पूरे गुजरात में दंगे भड़क उठे। इन दंगों में 1,044 लोग मारे गए थे। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। गोधरा कांड के अगले दिन, यानी 28 फरवरी को अहमदाबाद की गुलबर्ग हाउसिंग सोसायटी में बेकाबू भीड़ ने 69 लोगों की हत्या कर दी थी। मरने वालों में कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी थे, जो इसी सोसायटी में रहते थे।

'युवाओं को कबतक जुमले बांटेगी सरकार'

कांग्रेस महासचिव ने एक वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि बेरोजगारी दर 45 वर्षों में सबसे अधिक है, कांग्रेस महासचिव ने लिखा, वर्ष 2021 में देश में बेरोजगारी के कारण 11,724 लोगों की आत्महत्या से मौत हुई। यह संख्या साल 2020 के मुकाबले 26 फीसदी ज्यादा है...भाजपा सरकार में रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी युवाओं को निराश कर रही है। प्रियंका गांधी ने लिखा कि सरकार के पास 'इस भयानक बेरोजगारी' का न तो कोई इलाज है और न ही कोई जवाब। सरकार कब तक जुमले बांटेगी? उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले आठ वर्षों में, नौकरी चाहने वालों में से प्रत्येक 1,000 में से केवल तीन को ही रोजगार मिला है। बढ़ती बेरोजगारी और आसमान छूती महंगाई के आरोप में विपक्ष केंद्र सरकार विपक्षी पर हमलावर है। इससे पहले, कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि भाजपा 'अनजान' है और केवल 'अर्थव्यवस्था के रीसेट के लिए रोडमैप तैयार करने के बजाय विपक्षी सरकारों के रीसेट' पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

◆ ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के अध्यक्ष और मुंबई के विविध सेवा सास्थानों से जुडे हुवे मोहम्मद अली रोड के व्यापारी हाजी ईकबाल ओफीसर के जन्म दी के मौके पर कई इनके चाहने वालों ने इनको जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान मुबई के बिजनेसमेन और शिवसेना व्यापारी माहा मंडल के राष्ट्रीय उपा अध्यक्ष सलीम भाई नागानी के हाथों विशेष तौर पर सम्मान किया गया। उस दौरान सलीम व्यापारी सलीम भाई नागानी सहित मोहम्मद अली रोड व्यापरी इस सम्मान के दौरान उपस्थित थे। इसके अलावा ईकबाल ओफीसर को गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान समेत देश विदेश से भी इनके चाहने वालो के द्वारा जन्मदिन की बधाई के साथ हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

राजस्थान उर्दु बचाओं संघर्ष समिति के अता हुसेन कादरी बने प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। राजस्थान उर्दु बचाओं आन्दोलन के मुख्य संयोजक शमशेर भालू खां ने आज राजस्थान उर्दु बचाओं संघर्ष समिति की पूर्नगठन की सूची जारी की। शमशेर भालू ने बताया कि वर्ष 2019 से चूरू से शुरू किया गया राजस्थान उर्दु बचाओं आन्दोलन को राज्य स्तर पर समिति गठीत कर आमजन के सहयोग से और अधिक मुखरित किया जायेगा। इस हेतु नवगठीत कार्यकारिणी में बीकानेर के अता हुसेन कादरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है तथा इस सूची मे प्रदेश संयोजक मुशा खान, सीमा भाटी, प्रदेश संरक्षक रमजान खानं, प्रदेश उपाध्यक्ष मंशुर अली खान, प्रदेश मिडिया प्रभारी अकरम अली सुलेमानी, प्रदेश कानुनी सलहाकार परिषद मे एडवोकेट हैदार मोलानी, एडवोकेट सकीना खान बीकानेर को शमशेर खा भालू द्वारा मनोनीत किये गये।बीकानेर के इन सभी प्रदेश पदाधिकारीयों को बीकानेर उर्दु जवान के मौजिज हजरात ने इन्हे मुबारकबाद दी व इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गणपति स्थापना को लेकर आगे आया प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट, गणेश चतुर्थी पर दी सभी को बधाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय के आवास पर गणपति महाराज के दर्शन करने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। स्वागत की रूपरेखा में समर्पित रहे प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय व महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमति सीता पाण्डेय व रेखा उपाध्याय मुम्बई प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत पाण्डेय, राकेश उपाध्याय आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने देशवासियों को गणेश चतुर्थी पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से अपने विचार साझा करते हुए बताया कि गणपति महाराज सभी के जीवन में खुशियों की अनुपम सौगात लेकर आए तथा सभी की झोली खुशियों से भर दें। उन्होंने कहा कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट हमेशा पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं।

'गणपति बप्पा मोरिया' गाने की धूम

इस वर्ष गणपति बप्पा मोरिया गाने की धूम पुरे मुंबई समेत पूरे भारत में है और ये गाना सभी को बहुत ही मनमोहक लग रहा है। इस गाने को बॉलीवुड के गायक, संगीतज्ञ और लेखक गिन्निस बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित सचिन सिंह के द्वारा गाया हुआ है जिसकी धुन और लेखनी भी सचिन सिंह की है। 'गणपति बाप्पा मोरिया' गाने में अन्य कलाकारों का सहयोग इस प्रकार है जो की बहुत ही सराहनीय है। अलाप -कृष्णा गोस्वामी, म्यूजिक - रोनित हलदर, निर्देशक -अभिनय कुमार, कोरियोग्राफर -प्रीतम व सुशिल, कोरस - कृष्णा व आदिल, बांसुरी वादक -अतुल शर्मा, वीडियो - हृषिकेश, पोस्ट प्रोडक्शन - बेटर अर्थ प्रोडक्शन, प्रोड्यूसर - प्रसस्थ उपाध्याय & अविनाश भटनागर, प्रमोशन - मार्किट फ्लू (कुलदीप, हर्ष, आशीष), सहायक - सागर, कैलाश, अजय, समीर मंडल, सकेत, विवेक, तुषार, पिंटू, निलेश, मयूर, ओमकार, बैजनाथ आदि है। इस गाने को सचिन सिंह के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल ICONIC Band & production पे प्रसारित किया है। आप सब लोग भी इस मनमोहक गणपति गीत को जरूर सुने और अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करे और जरूर सुने।

निजी वाहन पर लिखा महाराष्ट्र शासन तो होगी कार्रवाई

बुलढाणा। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के अपने निजी वाहनों पर महाराष्ट्र शासन लिखकर रुतबा गालिब करने को गंभीरता से लिया है। निजी वाहनों पर अगर 'महाराष्ट्र सरकार' लिखा हुआ है तो अब आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करेगी। इसको लेकर सरकार ने हाल ही में आदेश दिए हैं। बुलढाणा जिले में भी कई कर्मचारियों के निजी वाहनों पर महाराष्ट्र सरकार/शासन लिखा हुआ है। वाहन पर अपने विभाग का नाम लिखने का चलन तो और भी ज्यादा है। विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारी निजी वाहन किराए पर लेते हैं। साथ ही कुछ वाहन चुनाव व अन्य कार्यों के लिए प्रशासन से किराए पर लिए जाते हैं। आदेश हैं कि ऐसे स्थायी रूप से लिए गए वाहनों पर 'महाराष्ट्र सरकार' नहीं लिखा जाना चाहिए और अधिकारियों के निजी वाहनों पर 'महाराष्ट्र सरकार' लिखने की भी अनुमति नहीं है। लेकिन अभी भी कई निजी वाहनों पर महाराष्ट्र सरकार लिखने का चलन दिखाई दे रहा है। ऐसे वाहनों के खिलाफ उपक्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और यातायात पुलिस कार्रवाई करने जा रही है। खुद की रुतबा गालिब करने को सरकारी कर्मचारियों ने चौपहिया वाहनों के अलावा दो पहिया वाहनों पर भी विभाग का नाम लिखा है। निजी वाहनों पर महाराष्ट्र सरकार, महाराष्ट्र शासन लिखा होना गलत है। इसके बावजूद भी यह वाहनो पर रोजाना शहर की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। शासन स्तर पर इसको लेकर सख्ती की गई है। जिसके बाद कार्रवाई की शुरूआत कर दी गई है। निजी वाहनों पर महाराष्ट्र सरकार नहीं लिखा जासकता है। अगर कोई अधिकारी किसी वाहन को किराए पर लेता है, तो उसे अस्थायी रूप से एक प्लेट के साथ चिपका दिया जाना चाहिए अधिकारी वाहन में है। उम्मीद की जा रही है कि यह अधिकारियों के निजी वाहनों पर नहीं लिखा जा सकता है, ऐसे वाहन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर सरकार के आदेश हैं। जल्द ही हम ऐसे वाहनों की तलाश कर के कार्रवाई शुरू की जाएगी।

प्रसाद गाजरे, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी, बुलडाणा

जीवन में राजधर्म राजनीति को सकारात्मक दिशा देता हैं: आचार्य वीरेन्द्र विक्रम

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राजनीति नहीं अपितु राजधर्म की आवश्यकता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल मे 437 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने राजधर्म का प्रयोग करके राजनीति को सकारात्मक दिशा दी है उन्होंने कहा कि राजनीति एक निरपेक्ष शब्द है जबकि राजधर्म सापेक्ष शब्द है जो जन कल्याण की भावना को समेटे है।धर्म राज्य के हितों व अधिकारों की रक्षा का कार्य करता है जो सत्य,दया व लोकोपकार से प्रेरित होता।महर्षि दयानंद के राजधर्म से अभिप्राय राजनीति के उन महान सिद्धान्तों से जिन्हें वर्तमान में विधि का शासन कह सकते हैं। स्वामी जी ने राज्य संचालन के लिए तीन सभाओं की राजार्य सभा,विद्यार्य सभा व धर्मार्य सभा की परिकल्पना 150 दयानंद ब्रह्मर्षि ही नहीं अपितु राजऋषि भी थे उनके 150 वर्ष पूर्व लिखे विचार आज भी प्रासंगिक हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि राजनीति अछूत नहीं है यदि उसका आधार राजधर्म हो और उसका लक्ष्य जनसेवा व जनकल्याण हो। मुख्य अतिथि आर्य नेता हरीश भारद्वाज व अध्यक्ष अशोक आर्य (प्रधान, आर्य केन्द्रीय सभा गुरुग्राम) ने भी राजनीति की शुचिता पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि अच्छे लोगों को राजनीति में आना चाहिए तभी राजनीति का शुद्धिकरण होगा। गायक रविन्द्र गुप्ता,प्रवीना टक्कर,कमलेश चांदना,कुसुम भण्डारी, ईश्वर देवी, नरेशप्रसाद आर्य,रचना वर्मा,सुदर्शन चौधरी, शोभा बत्रा,जनक अरोड़ा, संतोष प्रयागराज आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण पाण्डेय आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।
वर्ष पूर्व सत्यार्थ प्रकाश में लिख दी थी, इसी तरह उन्होंने 18 वर्ष की बात भी 150 वर्ष पूर्व लिख दी थी व आर्य समाज के निर्वाचन का आधार भी प्रजातांत्रिक रूप से 18 वर्ष वालो को प्रदान किया। धर्म का पालन कर्म कांड न होकर उन्होंने कर्त्तव्य पालन से जोड़ा।कर्तव्य पालन की दृढ़ इच्छाशक्ति व संकल्प ही प्रजातंत्र का आधार है महर्षि

आमेसर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भूगोल व्याख्याता के तबादला होने से विद्यार्थी का रो -रो कर बूरा हाल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / रामसुख मेघवंशी

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आमेसर में कार्यवाहक प्रधानाचार्य एवं भूगोल व्याख्याता महेंद्र मीणा का तबादला होने से विद्यार्थियों का रो रो कर बुरा हाल है व्याख्याता महेंद्र मीणा करीब 10 वर्ष पूर्व वरिष्ठ अध्यापक के तौर पर पहली नियुक्ति हुई। उस वक्त महेंद्र मीणा ने कार्यवाहक प्रधानाध्यापक के रूप में सेवाएं देते हुए विद्यालय में विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ साथ पूर्ण निष्ठा से अध्यापन करवाया तत्पश्चात करीब 2 वर्ष पूर्व भूगोल व्याख्याता में चयन होने पर भी आमेसर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं पारिवारिक कारणों से व्याख्याता महेंद्र मीणा ने अपना तबादला अपने गृह जिले दौसा में करवा दिया।यह जानकारी ग्रामीणों एवं विद्यालय के विद्यार्थियों को लगी तब से विद्यार्थियों का रोना-धोना शुरू हो गया जहां ग्रामीण एवं विद्यार्थी तबादले का विरोध कर रहे हैं वही विद्यालय के छात्र-छात्राएं रो -रो कर तबादले का विरोध कर रहे हैं जहां व्याख्याता एवं कार्यवाहक प्रधानाचार्य पद पर अनुशासन को लेकर सदैव सख़्त रहे हैं, जिससे विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। व्याख्याता को तबादला को लेकर मनाने का प्रयास कर रहे हैं वहीं विद्यार्थी तालाबंदी की चेतावनी दे रहे। वर्तमान में व्याख्याता मीणा कार्यवाहक प्रधानाचार्य है।

बैंकों को करोड़ों की चपत लगाने वाले कानपुर के 11 एटीएम हैकर गंगटोक में गिरफ्तार

- दर्जनों एटीएम कार्ड, पासबुक समेत अन्य दस्तावेज बरामद

- 40 सदस्यों वाले गिरोह के कुल 16 गिरफ्तार किए गए एटीएम हैंकरों में 11 कानपुर के निवासी

संवाददाता/ सुनील बाजपेई

कानपुर। एटीएम हैंकरों का एक ऐसा गिरोह पकड़ा गया है जो अब तक बैंकों को करोड़ों की चपत लगा चुका है। सिक्किम के गंगटोक में पकड़े गए कुल 16 एटीएम हैकरों में 11 कानपुर के रहने वाले हैं। इसके अलावा दो आरोपी हरदोई व एक-एक अयोध्या, रायबरेली व राजस्थान का रहने वाला है। पिछले छह महीने से गिरोह गंगटोक में सक्रिय था। उनके पास से दर्जनों एटीएम कार्ड, पासबुक समेत अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक इस गिरोह को पकड़ने के लिए जानकारियों के आधार पर एटीएम से सीसीटीवी फुटेज जुटाए गए। सर्विलांस की मदद से एक के बाद एक 16 शातिरों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें अभिषेक यादव, विमान नगर चकेरी, मोहित गौतम, रामादेवी, रिषि कश्यप, 37 बटालियन पीएस ओल्ड लाइन, कानपुर, अभिजीत यादव, गिरिजानगर, न्यू पीएसी लाइन, कानपुर, मोहम्मद फैज, लाल बंगला, चकेरी, मनीष कुमार, गिरिजानगर, कानपुर, मनीष यादव, श्याम नगर, विजय सरकार, श्याम नगर, सौरभ सिंह, शिवकटरा चकेरी, किशन कश्यप, विमान नगर चकेरी, सूरज अग्निहोत्री, बिल्हौर, सत्यनाथ मिश्रा, अयोध्या, सचिन कुमार, बिलगराम, हरदोई, अभिजीत सिंह, हरदोई, राजकुमार मीणा, राजस्थान के नाम शामिल हैं। अब फरार अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक गिरोह में 40 लोग शामिल हैं। इनमें 16 को गिरफ्तारी हो चुकी है। 24 ऐसे शातिर हैं, जिनकी पहचान कर ली गई है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

बुलंदी साहित्यिक संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कवि सम्मेलन अपने पिछले 207 घण्टे के रिकॉर्ड को तोड़ा: विवेक बादल बाजपुरी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। विश्व के सबसे बड़े ऑनलाइन कवि सम्मेलन जिसमें लगातार 300 घंटे तक कवि काव्य पाठ कर रहें है, बुलंदी संस्था ने अपने पिछले वर्ष 207घंटे के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ 250 घंटे का सफर सफलतापूर्वक पूरा किया। बुलन्दी संस्था के मीडिया प्रभारी के अनुसार संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी ने बात कि बुलंदी की समस्त टीम ने कार्यक्रम में अपने अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन किया। कार्यक्रम का संचालन अनामिका चौकसे, सुरभि खनेडा, अक्षिता रावत, अनामिका भट्ट, अमिता गुप्ता, सत्यार्थ दीक्षित, कशिश चौहान, नव्या गुप्ता, रावित चौहान, मातृका बहुगुणा, डॉ रानी गुप्ता, नीलेश कुमार, विकल बहराइच जी ने किया। इस कार्यक्रम में देश के ही नहीं अपितु विदेशों में रह रहे भारतीयों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी दिखाई। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार इस कार्यक्रम में थाईलैंड से शिखा रस्तोगी, मनीष मानव अवतार कनाड़ा, नीति पूर्ण मंसि मारीशस, विद्या विचारती ईसुरी मारीशस, डॉ सोमनाथ काशीनाथ मारीशस, देवी राधिका विदेसी मारीशस, रेणुका चमन मारीशस, खेशिका धूरविन मारीशस, विभावरी आस्ट्रेलिया, संगीता चौबे कुवैत, अनीस अहमद सऊदी अरब, नेहा शर्मा आस्ट्रेलिया, सुमन जैन आस्ट्रेलिया, मंजुला ठाकुर, नेकिता सिंह मारीसश ए पी भारद्वाज आस्ट्रेलिया, भावना कुंवर केलिफोर्निया, संदीप त्यागी वैशाली रस्तोगी जकार्ता इंडोनेशिया, कविराज बाबू मारीशस, गोवर्धन सिंह मारीसश, रोहित वशिष्ठ पुर्तगाल, डॉ सुभाष शर्मा ऑस्ट्रेलिया, विनीता तिवारी वाशिंगटन, मोनी विजय दोहा कतर, श्वेता सिंह उमा मास्को रूस, स्मृति त्रिवेदी भूषण कतर, इंदु नांदल जर्मनी, रचना श्रीवास्तव केलिफोर्निया, अनु बाफना दुबई, लेखरानी राम-लखन मॉरीशस, दिव्या कुदोय मॉरीशस आदि कविगण इस महायज्ञ में शामिल हुए और इन सभी ने अपनी उत्कृष्ट रचना का काव्य पाठ किया। यह कार्यक्रम अपने 300 घण्टे के लक्ष्य की ओर अनवरत चल रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एन/विभाग मनपा प्रभाग क्र. 126 जी.के. फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार और नागौरी फातमा टी मिल्क सेंटर दामोदर पार्क के बगल में अशोक मिल्स के समीप एल.बी.एस मार्ग घाटकोपर (प.) 400086 में आसीन जिम्मेदार इमारत अभियंता के लचर रवैये के चलते अवैध निर्माण कर्ता रवि सिंह के हौसले बुलंद?

प्रभाग क्र.126 के क्षेत्र में धड़ल्ले से डंके के चोट पर ठेकेदार रवि सिंह कर रहा है अवैध निर्माण

सैया हुए कोतवाल अब डर काहे का शीर्षक के तर्ज पर यही राग अलाप रहा है ठेकेदार रवि सिंह

संवाददाता/अजय उपाध्याय

मुंबई। घाटकोपर, मनपा एन/विभाग ईमारती व कारखाने खाते के कार्यालय में शिकायतों के ढेर पड़े हुये है, किंतु मनपा के सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता अपनी मस्ती में है मस्त? सूत्रों की माने तो मनपा एन/विभाग के ईमारती अभियंता थोरात को इस अवैध निर्माण की कई शिकायतें दी गयी है मगर अभी तक नोटिस जारी नही किया गया है। क्या इस अवैध निर्माणकर्ता रवि सिंह ने भ्रष्टाचार की मलाई चटा दी है जो अभी तक इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई नही की गई है? इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई कब?

नील कमल चौहान ने आदर्श नगर टिहरी वार्ड नंबर आठ से जिला पंचायत सदस्य का टिकट के लिए आवेदन सौंपा

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह चौहान ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद और जिला अध्यक्ष डॉक्टर जयपाल चौहान जी को नीलकमल चौहान का जिला पंचायत आदर्श सीसी टिहरी नगर वार्ड संख्या 8 के लिए आवेदन दिया जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि उनकी पत्नी नील कमल चौहान पहले भी सराय वार्ड संख्या 10 से चुनाव लड़ चुकी है पिछली बार वह दूसरे नंबर पर रही थी उन्होंने कहा कि आदर्श टिहरी नगर के युवा, बुजुर्ग महिलाओं गरीबों और सभी लोगों का समर्थन उन्हें मिल रहा है और वह आदर्श टिहरी नगर की सीट को भारी अंतर से जीत कर भाजपा की झोली में डालने का काम करेंगे पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने बताया प्रदेश स्तर पर जिला पंचायत टिकट निर्धारण की कमेटी बनाई गई है सभी आवेदन उस कमेटी को सौंप दिए जाएंगे और कमेटी का निर्णय अंतिम होगा इस अवसर पर सरवन चौहान कवि सर चौहान अरुण कुमार अजीत चौहान कुंवर पाल चौहान श्यामसुंदर चौहान ठाकुर विनीत प्रताप चौहान रोहित चौहान वीरेंद्र प्रताप सिंह चौहान अशोक कुमार आर्य सचिन चौहान आर्य विजयपाल सैनी मांगेराम सैनी मदन सैनी तेजपाल चौहान टीनू राणा सूरज प्रताप मोहित राणा डॉक्टर यशपाल सैनी डॉक्टर जय चंद सैनी जितेंद्र कश्यप वीर सिंह कश्यप भोला कश्यप लाल सिंह सैनी दीपक वालिया राहुल चौहान सुभाष आर्य ओमा बाल्मीकि कल्लू बाल्मीकि कोमल बाल्मीकि अभिषेक रवि अजय कुमार बालेंद्र कुमार दिनेश चौहान विपिन चौहान रमेश चौहान विजयपाल चौहान दीपक चौहान अनूप सैनी सुरेश बाल्मीकि हर्ष प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस बीकानेर का पुनर्गठन एवं विस्तार

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। अखिल भारतीय असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज व प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक भाटी के निर्देशानुसार पूर्व में संगठन का नाम असंगठित कामगार कांग्रेस था अब इसमें निजी क्षेत्र के कर्मचारी एवं सरकार के निवर्तमान कर्मचारियों को जोड़ा जाए असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस बीकानेर ज़ज़बके शहर अध्यक्ष जाकिर हुसैन नागौरी ने संगठन के पुनर्गठन एवं विस्तार करके कई कर्मचारियों को भी जोड़कर आज नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस बीकानेर जिला ईकाई निम्न प्रकार हैः-वरिष्ठ उपाध्यक्षः- जितेंद्र बिस्सा, नजरुल इस्लाम, विजय कुमार व्यास, असगर गोरी उपाध्यक्ष, एम.डी. चैहान, मेहताब दमामी, रमेश हटीला, यकीनुदिन डग्गा, असलम रंगरेज महासचिवः- पुनीत मेघवाल, नफीस सुलेमानी, एम. एच. पप्पू, रक्षित सोनी, अलीराजा मीडिया प्रभारी, शकील स्टार नेता, असीम सैयद, सचिवः- प्रदीप सिंह सरदार, सलीम गोरी, बिलाल खोखर, गौरी शंकर, मोहम्मद सदीक गोरी, पवन कुमार, फिरोज खान, सैयद गुफरान, शाहिद राठौड़, मूलचंद, करणीदान, म्त.इमरान अली, मोहम्मद कुर्बान लोहार, विनोद कुमार।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्मोकिंग की लत आपको कम उम्र में ही बना देगी बूढ़ा: सर्वे

स्मोकिंग छुड़वा देंगे ये 5 घरेलू तरीके

स्मोकिंग की आदत कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी तक को ब्योता देती है। यह शरीर को कई तरह से नुकसान पहुंचाती है, जिसमें से एक उम्र को कम करना भी है। अब एक हालिया स्टडी में सामने आया है कि स्मोकिंग न सिर्फ उम्र कम करती है बल्कि व्यक्ति को १० साल जल्दी बूढ़ा भी कर देती है। यानी स्मोकिंग करने वाले युवक की उम्र १० साल है तो उसकी क्रानलॉजिकल ऐज किसी 40 साल के शख्स की तरह हो सकती है।

क्या है क्रानलॉजिकल और बायलॉजिकल ऐज

मानव शरीर की दो तरह की उम्र होती है, पहली तो क्रानलॉजिकल और दूसरी बायलॉजिकल। क्रानलॉजिकल ऐज वह है जो व्यक्ति के जन्म से गिनी जाती है, वहीं व्यक्ति किस उम्र का दिखता है, यह बायलॉजिकल ऐज में गिना जाता है।

साइंटफिक रिपोर्ट में जारी हुई स्टडी के मुताबिक, स्मोकिंग के नुकसान को लेकर 149,000 अडल्ट्स का ब्लड टेस्ट किया गया। इससे यह सामने आया कि स्मोकिंग करने वाले युवाओं की क्रानलॉजिकल उम्र उनसे ऐज में डबल वाले नॉन स्मोकर्स लोगों के बराबर है। वहीं स्मोकिंग नहीं करने वालों की क्रानलॉजिकल ऐज उनके जन्म के समय के मुताबिक सटीक पाई गई। धूम्रपान ऐसी जानलेवा आदत है, जिससे छुटकारा पाना ना केवल मुश्किल है बल्कि इस आदत को छोड़ना हर किसी के बस में भी नहीं है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इस आदत को छोड़ना नामुमकिन नहीं है। आयुर्वेदिक उपायों की मदद से आप धूम्रपान की आदत को न केवल छोड़ सकते हैं बल्कि इसका असर आपको फौरन दिखना शुरू हो जाएगा। आज ऐसे ही कुछ उपायों के बारे में जानिए...

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े करके उसमें थोड़ा-सा काला नमक और थोड़ा-सा नींबू मिलाकर धूप में सुखा लें। जब यह सूख जाए तो इसे अपनी जेब में रख लें। जब भी सिगरेट की तलब लगे तो थोड़ी-सी मात्रा में मुंह में रख लें। अदरक में मौजूद सल्फर सिगरेट या किसी भी नशीले पदार्थ की तलब को दूर करता है। आपको इस उपाय को करने के बाद 5 मिनट में ही असर दिखने लगेगा।

आंवला

अदरक की तरह आंवला भी धूम्रपान की तलब को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आंवले के टुकड़ों में नमक मिलाकर सुखा लें। धूम्रपान की इच्छा होने पर इन टुकड़ों को चूसें। इसमें मौजूद विटमिन-सी निकोटीन लेने की इच्छा कम करता है।

लाल मिर्च

लाल मिर्च में कैप्साइसिन के अलावा विटमिन-सी भी मौजूद होता है, जो श्वसन प्रणाली को मजबूत और धूम्रपान की लालसा को कम करती है। इस मसाले को अपने खाने में प्रयोग करने के साथ ही आप इसका इस्तेमाल 1 गिलास पानी में चुटकी भर मिलाकर भी कर सकते हैं। इससे आपको तुरंत राहत मिलती है और यह उपाय लंबे समय तक काम करता है।

शहद

धूम्रपान ही नहीं किसी भी तरह के नशे को दूर करने के लिए शहद बेहद ही उपयोगी औषधि है। शहद में विटमिन, एंजाइम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होते हैं जो धूम्रपान की तलब को छुड़वाने में मदद करते हैं। हमेशा शुद्ध शहद का प्रयोग करें, क्योंकि इसका अच्छा प्रभाव पड़ता है।

मुलेठी

अपनी शर्ट की जेब में सिगरेट की जगह मुलेठी रखें। जब भी धूम्रपान का मन करें तो आप मुलेठी को अच्छे से चबा लें, आपकी धूम्रपान की इच्छा कम हो जाएगी। साथ ही इससे आपका पेट भी ठीक रहेगा।

Beauty Hacks

जिससे मिनटों में चेहरे से हट जाएंगे अनचाहे बाल

अक्सर महिलाओं के सामने ऐसी सिचुएशन आ जाती है जब उन्हें अचानक से पार्टी के लिए निकलना पड़ता है लेकिन एक भी पार्लर खुला नहीं मिलता और चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों की वजह से वह पार्टी में खुलकर इंजॉय नहीं कर पाती और हर वक्त काफी कॉन्शस महसूस करती हैं। उन्हें ऐसा लगता है जैसे हर किसी की नजर सिर्फ उनके चेहरे के अनचाहे बालों पर ही है। यहां हम आपको कुछ ऐसे सुपर हैक्स बता रहे हैं जिन्हें फॉलो कर आप बिना ज्यादा समय बर्बाद किए अपने फेशियल हेयर को हटा सकती हैं।

कंन्सीलर यूज करें - ये तो हम सब जानते हैं कि लड़कियों के लिए मेकअप कितना अहम है। मेकअप से आप फेशियल हेयर भी छिपा सकती हैं। इसके लिए अपनी स्किन टोन से मिलता जुलता कन्सीलर या फाउंडेशन लें और ब्रश से इसे फेशियल हेयर के बढ़ने की दिशा में लगाएं। जब आप बेस लगा लें इसके बाद इसे कॉम्पैक्ट पाउडर से कंप्लीट लुक दें। इससे आपके ज्यादातर फेशियल हेयर छिप जाएंगे और नहीं दिखेंगे।

ओल्ड ब्लीच - ब्लीच फेशियल हेयर के रंग को हल्का करता है जिससे वे आपकी स्किन में छिप जाते हैं। इसके लिए अपने यूजुअव ब्लीच क्रीम को अपने पूरे चेहरे पर बराबर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे नॉर्मल पानी से धो लें।

वैक्सिंग - फैशियल हेयर्स को हटाने का सबसे सुरक्षित तरीका है वैक्सिंग। इसके लिए आपको केवल फेशियल वैक्स की आवश्यकता पड़ेगी। लेकिन हर बार फेशियल हेयर्स को हटाने के लिए वैक्सिंग न करें क्योंकि इससे स्किन लूज होती है।

ट्विजिंग - अनवॉन्टेड फेशियल हेयर को हटाने को सबसे अच्छा तरीका ट्विजिंग है। इससे दोबारा जो बाल आएंगे वो मोटे नहीं रहेंगे। लेकिन अगर ट्विजिंग ठीक से न की जाए तो स्किन पर कट लग सकते हैं। ट्विजिंग के लिए सबसे पहले गर्म पानी में भिगे तौलिए से फेस को मॉइश्चराइज कर लें। फिर स्किन को खींचकर एक बार में एक बाल निकालें। हेयर ग्रोथ की दिशा में बालों को निकालें।

वैक्स स्ट्रिप्स - आजकल हर कोई अपने घर में वैक्सिंग स्ट्रिप्स जरूर रखता है। आप इसे कहीं से भी आसानी से खरीद सकती हैं। इससे फेशियल हेयर हटाने के लिए इन स्ट्रिप्स को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और इन्हें स्किन पर पेस्ट कर लें। अब अपने हाथ को स्ट्रिप को ऊपर रब कर लें और एकबार में खींचकर स्ट्रिप निकाल लें।

यह है नहाने का गलत तरीका, हो सकता है ब्रेन स्ट्रोक या लकवा

सीधे सिर पर पानी उड़ेलना खतरनाक

अगर आप सोचते हैं कि नहाने का सही या गलत तरीका क्या हो सकता है... जिसे जैसे मन करे वैसे नहा सकता है। अगर आपकी सोच भी कुछ ऐसी ही है तो आप गलत हैं। खाने-पीने और सोने की ही तरह नहाने का भी एक सही तरीका है जिसे अगर फॉलो न किया जाए तो नहाते वक्त लकवा मारने या फिर ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। इस तरह की जानलेवा चीजों से बचने के लिए जानें, क्या है नहाने का सही तरीका...

नहाने का गलत तरीका

बहुत से लोगों को आदत होती है कि वे बाथरूम में पहुंचते ही सीधे शावर के नीचे खड़े हो जाते हैं या फिर बाल्टी और मग से सीधे सिर पर पानी उड़ेलने लग जाते हैं। यह नहाने का पूरी तरह से गलत तरीका है और इससे ही स्ट्रोक समेत कई दूसरे खतरे सामने आ सकते हैं।

शरीर में खून का प्रवाह ऊपर से नीचे

दरअसल, हमारे शरीर में खून का प्रवाह ऊपर से नीचे की तरफ होता है। ऐसे में अगर आप सीधे सिर पर ठंडा पानी डालकर नहाएंगे तो सिर में मौजूद खून की नलिकाएं सिकुड़ने लगेंगी या खून के थक्के जमने लगेंगे। इसलिए नहाते वक्त सिर से पानी डालने की शुरूआत न करें।

नस फटने का खतरा

सिर पर सीधे पानी डालने से हमारा सिर ठंडा होने लगता है, जिससे हार्ट को सिर की तरफ ज्यादा तेजी से खून भेजना पड़ता है, जिससे या तो हार्ट अटैक या दिमाग की नस फटने की दिक्कत हो सकती है।

शुरुआत पैरों से करें

ऐसे में नहाने की शुरूआत पैरों से करें। पैर के पंजो पर पानी डालने से शुरूआत करें। इसके बाद जांघ, पेट, हाथ, कंधे से होते हुए सबसे आखिर में सिर पर पानी डालें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कटरीना ने खोल दिया अपनी सीक्रेट शादी का राज

बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और लाजवाब एक्ट्रेस कही जाने वाली कटरीना कैफ एक बार फिर से सुर्खियों में आ गयी हैं। दरअसल शादी के बाद से एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल को लेकर चर्चा में बानी रहती हैं। ये तो हम सभी जानते हैं की इसी साल कटरीना बॉलीवुड के मोस्ट हैंडसम एक्टर विक्की कौशल के साथ शादी के बंधन में बंधी हैं। कैट और विकी ने अपनी शादी की भनक तब तक किसी को नहीं लगने दी, जब तक खुद उन्होंने अपनी तस्वीर साझा नहीं की। शादी को लेकर इतनी सुरक्षा और निजता रखने को लेकर अक्सर कैट और विक्की से सवाल पूछे जाते हैं। वही अब कटरीना कैफ ने खुद इन सारे सवालों के जवाब दे दिए हैं। दरअसल हाल ही में विक्की और कैट फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के रेड कार्पेड पर नजर आए। इस दौरान कटरीना से जब उनकी इतनी सीक्रेट शादी की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा, शादी को निजी रखने की कोशिश से ज्यादा हम कोविड-19 की वजह से मजबूर थे। दुर्भाग्य से हम निजी रूप से इससे प्रभावित थे। मेरा परिवार कोविड-19 से प्रभावित था और यह एक ऐसी चीज थी कि इसे सीरियसली लेना पड़ा। कैट ने आगे कहा, मेरे ख्याल से यह साल काफी बेहतर है। लेकिन, पिछले साल जो हालात थे उनसे हम खुद सतर्क रहना चाहते थे। लेकिन, हमारी शादी बहुत शानदार रही और हम दोनों बेहद खुश हैं।

अक्षय के साथ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं सरगुन मेहता

छोटे परदे की जानी मानी हस्ती सरगुन मेहता एक बार फिर से सुर्खियों में आ गयी हैं। ये हम सभी जानते हैं की इंडस्ट्री में सरगुन ने अपने मेहनत और अपनी लगन से अपनी पहचान बनाई हैं। पंजाबी इंडस्ट्री में सरगुन ने कई फिल्में की हैं, जिससे एक्ट्रेस को खूब लोकप्रियता भी हासिल हुई हैं। लेकिन इन सब के बीच अब उड़ती-उड़ती खबरे ये सामने आ रही हैं की सरगुन मेहता जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। लेकिन जिस एक्टर के साथ करने जा रही हैं उनका नाम सुनकर तो आप भी हैरान हो जाएंगे। दरअसल अक्षय कुमार की डिज्नी प्लस हॉटस्टार थ्रिलर 'कटपुतली' के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने के लिए सरगुन मेहता पूरी तरह से तैयार हैं। वही सरगुन ने अक्षय कुमार के साथ काम का एक्सपीरियंस भी साझा किया। जहां एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार की प्रशंसा की और कहा कि वह एक बेहद ही अच्छे सह-कलाकार हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया की, वह अपने सह-कलाकारों को इतना सहज महसूस कराते हैं और आप जानते हैं कि अक्षय कुमार के साथ काम करना बहुत आसान है। वही एक बार जब आप सेट पर होते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि हे भगवान यह अक्षय कुमार हैं, वह आपको किसी अन्य सह-अभिनेता की तरह महसूस कराते हैं। वह बेहद खुस मिजाज है, वह जानते हैं कि क्या कहना है और दूसरे व्यक्ति को डराना नहीं है और वह आपको जितना चाहें उतना सुधार करने या कुछ अलग करने के लिए स्वतंत्र हाथ देते हैं। वह सुनिश्चित करते हैं कि हम सभी एक साथ डिनर करें, पूरी कास्ट ताकि एक अच्छा बंधन बना रहे।

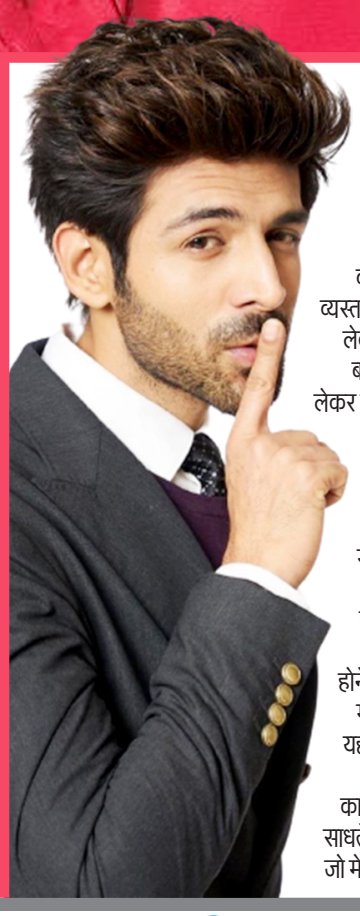

कार्तिक आर्यन ने साधा निशाना

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के टॉप एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं। कार्तिक फिलहाल 3 फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त भी चल रहे हैं। बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर बहुत से आउटसाइडर एक्टर्स अपना बयान दे चुके हैं। बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर एक डिबेट की शुरूआत हो चुकी है। कई एक्टर्स इसे मानते है तो कई अपनी हार्ड वर्क पर विश्वास रखते हैं। इन्हीं एक्टर्स में से एक है कार्तिक आर्यन। हाल ही में एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में कार्तिक ने नेपोटिज्म पर बात करते हुए कहा कि मेरे पीछे कोई नहीं है। मुझे नहीं पता कि जो लोग इंडस्ट्री से हैं, उन्हें कैसा महसूस होता है, लेकिन आउटसाइडर होने के कारण मुझे लगता है कि अगर कभी मेरी कोई एक भी फिल्म फ्लॉप होती है तो यह एक ऐसी धारणा पैदा कर सकती है कि जिससे मेरा करियर खत्म हो सकता है। कार्तिक ने बॉलीवुड नेपो किड्स पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे पास ऐसा कोई भी नहीं है जो मेरे लिए उस लेवल का प्रोजेक्ट बना सके।